

114
:: नगरपालिका मण्डल, आसूचित क्षेत्र अधिनियम, 1970 ::

:: संशोधन नियम, वर्ष 1979 ::

राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 1959. ॥ राजस्थान अधिनियम संख्या - 30, सन् 1952 ॥ की धारा 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 172, 176, 177, 181, 182, 183, 186, 194, 195, 203, 204 तथा 254 के साथ सम्बन्धित जसकी धारा-90 की उप-धारा ॥1॥ के खण्ड ॥ओ॥, ॥बी॥, ॥सू॥, ॥आर॥, ॥एच॥, ॥टी॥, ॥यू॥ तथा ॥ए.ई॥ द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से नगरपालिका मण्डल, आसूचित द्वारा उपविष्टियां बनाई हुई है, जो राजस्थान राजपत्र, पोल-21, मुस्ताफा, भाग 1900, जनवरी-11, 197 के नूठन संख्या - 62 से 69 में प्रकाशित भाग-3 ॥क॥में हुए है उनमें निम्न उक्त शीर्षक विषय आता है :-

भाग-1 ::

प्रारम्भिक -

परिभाषा :-

॥14॥ "ग्राम प्राधिकरण" से तात्पर्य ऐसे भवन से है, जिसका मूल मंजिल ग्राउण्ड फ्लोर या प्रधान मंजिल या कि पूरे भवन का कम से कम 1/2 भाग या इसी अधिक भाग व्यावसायिक उपयोग में लिया जाता हो। सड़क से जगता हुआ कोई भी विस्त्रा प्राधिकरण उपयोग में आता हो। ॥संशोधन॥

॥15॥ "ग्राम अधिष्ठाता" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जो पूर्णतया या प्रमुख रूप से बिजली, मोटर, मोटर, बैकरी, डिस्टिलरी, आयरन बिजली के स्तंभों या ऐसे अन्य किसी प्रयोजन के लिए काम में लिया जा रहा है या बिजली जिनमें किसी प्रकार के कच्चे माल से कोई उत्पादन किया जाता है एवं जिनमें पूर्ण जोड़कर एक वस्तु बनाने प्रोसेसिंग का कार्य किया जाता हो। जिन अधिष्ठाता द्वारा शांति प्राप्त हो। ॥संशोधन॥

(Handwritten signature)

Executive Officer
Municipal Council, Jaipur

प्रशासक
नगरपालिका, आसूचित क्षेत्र

✓ 208 "अभियन्ता" अभिप्रेत नगरपालिका मण्डल के अभियन्ता से है। §सोडा ग्राहक§

✓ 230 "गन्तव्य" में मूल गृह §नार्थ 2 सोईल§ तथा अन्य समस्त प्रकार के मूल ग्राहक के लिए समान ही शर्तें हैं। §संशोधन§

3. सारभूत परिवर्तन:

अधिनियम की धारा-170 की उपधारा-33 में दक्षिण रंगी परिवर्तन एवं अधिनियम की धारा-170 §33§डी के तहत निम्न-लिखित परिवर्तन भी सारभूत परिवर्तन माने जायेंगे :-

118 यदि इसमें मानव निवास का एक आवास गृह भवन या उसका कोई भाग एक से अधिक आवास गृहों में तथा कोई आवास गृह में परिवर्तन हो जाते हैं। §संशोधन§

122 यदि गृह सार्वजनिक रास्ते, सार्वजनिक स्थान, सरकारी या नगरपालिका की सम्पत्ति पर किसी के द्वारा, जिन्होंने या किसी प्रकार से के वास्तव्य §600§ जो 20 वर्गफुट से अधिक हों, अलावा उसे दरवाजे के जो सिर्फ सार्वजनिक मार्ग की ओर खुलता हो तथा प्रवेश का निर्माण हो। §संशोधन§

133 यदि यह किसी भवन या उसके भाग के स्थाईत्व स्थिति या वायु संपार को प्रभावित करता है, इसमें कंगूरों, दरवाजों, छान्नी, ब्रादर्स, रीसिंग्स, फ्लोरकोटा, दीवारों, बालकनीयां, झरोखों तथा अन्य संरचनाओं तथा किसी भी भवन या उसके ऐसे भाग में संरचना के प्रतिकूल हो। §संशोधन§

148 भवन के सामान्य डिजाईन, रंग योजना और उस बस्ती के वास्तुकार प्रकार जो इन उपविधियों के अन्तर्गत निहित विधे गये हों के विपरीत हों। §संशोधन§

युव्य बाजार की ओर से अभियुक्त हो के उत्साह में फिटिंग्स और फिक्चर्स को सम्मिलित करके इसे संरचनात्मक डिजाईन, रूप रंग तथा किसी वास्तु आकार प्रकार में कोई भी परिवर्तन सम्मिलित होगा। §संशोधन§

प्रशासक
9.1.19
§5§

808

किसी भवन को उपयोग में लाने को उसमें नई दीवारें लड़ी करना, ई बिछविस्था, दरवाजे व. रोजफदान, अलमारियों, निकालना, पुर्ण के कारो की नाम में परिवर्तन करना शामिल होगा। §संशोधन§

878

किसी भवन के 50 प्रतिशत से अधिक पानी हटाकर या फ्री को नीचे बिठाकर भवन की ऊंचाई में परिवर्तन करना साइडगुट परिवर्तन में सम्मिलित है। दरवाजे दीवारों पर लफेदी, रंगरोगन एवं प्लास्टर की मरम्मत साइडगुट परिवर्तन में सम्मिलित नहीं है। §संशोधन§

:: भाग-2 ::

भवन निर्माण तथा निर्माण कार्यों के निष्पादन के लिये विनियमन-

4- नोटिस-

838 कोई भी व्यक्ति सूचना के पश्चात् तथा सूर्योदय के पूर्व रात्रीकाल के दौरान किसी भवन के निर्माण अथवा उसमें परिवर्तन संबंधी कार्य नहीं करेगा। §संशोधन§

851 इन उपविधियों के अधीन प्रत्येक नोटिस के साथ नोटिस नकल, प्रस्तापेज आदि की परिनिर्या के लिए नगरपालिका कोषागार में फीस के रूप में रु. 100/- §प्रत्येक सौ§ की रसीद लगाई जायेगी तथा नगरपालिका द्वारा निर्धारित नोटिस प्रथम निष्पादन नगरपालिका से 1/- §प्रत्येक मात्र§ में प्राप्त किया जायेगा। सादा आवेदन मान्य नहीं होगा। §संशोधन§

5-

मौके का नक्शा-

8क8 मौके का नक्शा-- जिस भूमि पर भवन या गुआ बनाने का प्रस्ताव हो मार प्रतियो में मौके के स्थल का नक्शा और यदि मौजूदा भवन था उस में परिवर्तन या परिवर्तन करने का प्रस्ताव हो ऐसे मौजूदा भवन या कए के मौके के स्थल का नक्शा चार प्रतियो में जो §प्लोट साईजेज§ के अनुसार तैयार किया हो, जेसे 250 वर्ग मीटर तक के क्षेत्र के मौके स्थल के लिए एक से.मी. बराबर 2 मीटर के पैमाने से कम न हो, 250 मीटर से अधिक परन्तु 8 हेक्टर तक के क्षेत्र के मौके स्थल के लिए 1 से.मी. बराबर 4 मीटर के पैमाने से कम न हो और 8 हेक्टर से अधिक क्षेत्र के मौके के स्थल के लिए 1 से.मी. बराबर 10 मीटर पैमाने से तथा इसमें निम्न लिखित दिखाना जायेगा -

Handwritten signature and stamp on the left margin.

प्रशासक
नगरपालिका, झांखु पर्वत

- 1- पैमाना, उत्तरी रेखा की दिशा, उनके स्थागियों के नाम सहित, पडोस के मकानों, गोलों तथा पब्लिकों की स्थिति तथा रास्ते का नाम तथा चौड़ाई तथा ऐसे मकान, गोलों तथा पब्लिकों जो मोड़ों की सीमा के पारों और 15 मीटर की दूरी के भीतर हों अथवा ऐसी दूरी के भीतर हों अथवा ऐसी दूरी के भीतर हों जो मोड़ों की स्पष्ट रूप से परिभाषित करने के लिए नगरपालिका द्वारा अपेक्षा हो।
- 2- रास्तों में जहाँ प्रस्तावित भवन या हुआ बनाना पाडा जाता है, भूमि तथा मकानों की रेखा।
- 3- सड़कों के भवन तक पहुँचने के साधन।
- 4- नाली का नक्शा - जिसमें कि प्रस्तावित नाली की रेखाएँ तथा वर्तमान गटर भी सम्मिलित हों एवं सतही नाली इत्यादि जिसमें बेकार का पानी तथा सलेज *sludge* का अन्ततः निष्कास दिखाया गया हो भी प्रस्तुत किया जाना चाहिये। नाली के नक्शों की माप पढी होगी जो कि मोड़ों के नक्शों की होंगी।
- 5- वाणिज्यिक धरो, कार्यालयों, होटलों तथा अन्य सार्वजनिक भवनों के लिए साईकिल स्टेपड तथा कार खडी करने के लिए नीचे दिये गये अनुसार भूमि छोडनी पडेगी -

क्रमांक/ उपयोग	वाणिज्य का क्षेत्रफल
1- वाणिज्यिक संस्थान, होटल, रिसेप्शन आदि के लिए प्रति 200 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के लिये	20 वर्ग मीटर
2- कार्यालय एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के लिए प्रति 500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के लिये	40 वर्ग मीटर

कारे, स्कूटर, मोटर साईकिल तथा बाई साईकिल खडी करने के लिये अपेक्षित क्षेत्रफल का पैमाना निम्न प्रकार होगा -
 कार - 20 वर्ग मीटर
 स्कूटर/मोटर साईकिल - 2.8 वर्ग मीटर
 बाईसाइकिल - 1.4 वर्ग मीटर **संशोधन**

18- मोड़ों के स्थल के नक्शों **साईटप्लानो** में स्थल का विस्तृत क्लर

प्रशासक
 नगरपालिका, काठमाडौं

सर्वे प्लान जिसमें 3 मीटर के अन्तराल पर सभी कण्डूर लगाये हुए हों। **नोटा गया।**

- ✓ **818** में क्रमांक 12 बिलोपित किया जाता है।
- ✓ **858** में संलग्न सड़को, रास्तो, पुलो, अथवा पुरानो के नाम सहित सर्व भूखणो के नाम यदि कोई हो **नोटा**। **संशोधन**
- ✓ **898** मीके के स्थल के नक्सो **साईट प्लान** में वर्तमान पृथो की स्थिति तथा प्रस्तावित बुधारोपण कार्यक्रम के बारे में स्पष्ट रूप से दिखाना होगा। **नोटा** गया।
- ✓ **110** छत की ज़्यादा दलान एवं डिजाइन जो आबुखर्बराओं निर्धारित मास्टुक्सा के अनुसूचो होगा। **नोटा** गया।

8 ग 8 दस्तावेज :-

- ✓ **818** विषय विशेष सडित भूखण्ड अथवा भवन पर आवेदक के स्वामित्व को दिखाने हुए विवरण तथा भूखण्ड अथवा भवन का मूल स्वामित्व के दस्तावेज का विवरण। **संशोधन**
- ✓ **828** यथा विषय सत्यापित प्रथम पूर्वक घोषणा जो इस आवेदक की होगी वि-
 - ✓ **1-** बट भूमि अथवा भवन या उसका कोई भाग जिसमें कोई निर्माण किया जाने का प्रस्ताव है, राजस्थान नगरपालिका अथवा किसी अन्य स्थानीय संस्था की नहीं है। यदि यह भवन भूमि अथवा भवन का मूल स्वामित्व आवेदक द्वारा अपने प्रथम पत्र में कोई गलत तथ्य लिखाये गए है या कोई तथ्य छिपाये गये है तो नगरपालिका पालिका स्वीकृति निरस्त कर कार्यवाही कर सकेगी। **संशोधन**

6-

नक्शो तैयार कराना -

- ✓ **8 क 8** इन उमीदीधरो के अधीन अधीक्षित नक्शो तैयार अनुशया व्यक्ति द्वारा ही अपने हस्ताक्षरो से तैयार किये जायेंगे। अनुशया व्यक्ति नीचे लिखी सारणी के अनुसार नगर पालिका से रुपये 500/- प्रति वर्ष फीत अदा कर अनुशया पत्र प्राप्त करेंगे। यह शुल्क समय-समय पर बढ़ाया भी जा सकेगा। अगर अनुशया व्यक्ति द्वारा भवनो के नक्शो तैयार समय भवन उमीदीधरो की पूर्ण पालना नहीं की गई तो उनका लाईसेन्स निरस्त कर दिया जायेगा। **संशोधन** ...6

9/1/19
प्रशासक
नगरपालिका, भाबू पंचायत

मोहता

expler

* क वद वारतुनेद जी इंडिया 31/1/12
एस्ट के इच्छीत कारोबार काउन्सिलर अथ
आ डिप्लोमा के राजीरुद ही,

राजीरुद 31/1/12
3/1/12 3/1/12 3/1/12

✓ ११४ इन उपविधियों के अधीन कोई भी नया राब तक स्वीकार नहीं होंगे जब तक वे इन उपविधियों के अधीन ऐसे नये तैयार करने के लिये प्राविष्ट निररी अनुज्ञप्ता, प्यास्ता द्वारा तैयार नहीं किये गये हों, जैसा कि नीचे विहित किया गया है:-

क्रमांक	भूखण्ड या क्षेत्रफल	पार	अवधि
1-	400 वर्गमीटर तक के भूखण्डों के लिए	अनुज्ञप्ता नवशान्तिवासी	किसी मान्यता प्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से स्नातकोत्तर डिप्लोमा अथवा किसी अ. विद्यालयिक या नगर नियोजन विभाग में 10 वर्ष का कार्यभार।
2-	400 वर्गमीटर से अधिक भूखण्डों के लिए	वास्तुकला या अ. विद्यालयिक या डिप्लोमा	वास्तुकला या अ. विद्यालयिक में स्नातकोत्तर या स्नातक डिप्लोमा अथवा 10 वर्ष का कार्यभार।
3-	1000 वर्गमीटर से अधिक भूखण्डों के लिए	अनुज्ञप्ता अ. विद्यालयिक अथवा वास्तुकार	वास्तुकला या अ. विद्यालयिक डिप्लोमा, अथवा उसके समकक्ष योग्यता के साथ 10 वर्ष का कार्यभार।

8- भवन की अनुज्ञा-

✓ ११४ उपविधि संख्या 4 के अधीन नोटिस प्राप्त होने पर भवन अधिकारी अ. विद्यन्ता संबंधी भूमि अध्या भवन या हुर के संबंध में और कोई सूचना विधिविधियां उद्घरण या दस्तावेज जिन्हे सह अ आवश्यक समझे भांग सवेगा।

१ संशोधन

११४ भवन अधीनकारी अनुज्ञा पत्र जारी करने से पूर्व नगरपालिका अ. विद्यन्ता से तकनीकी अनुमोदन करने को पत्रचारा ही जारी करेंगे। १ जोडा गया १

१३-१

भवन का परिनिर्माण या निर्माण कार्य का निष्पादन इसे

Executive Officer
Municipal Board, Mt. Abu.

१२/१/१९

नगरपालिका, काठमाडौं

extra
(12/1/19)
date: 12/1/19

--7--

स्वीकृति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर-अन्दर आरम्भ करना होगा और आरम्भ करना की तारीख से एक वर्ष के अन्दर कार्य पूर्ण करना होगा। यदि निर्माण कार्य उपरोक्त अपीठ में पूर्ण न हो, तो अनुशा पत्र को उपरोक्त के अनुसार पुनः दीया करना होगा। कार्य प्रारम्भ करने की सूचना अनुसूची- 5 में देनी होगी।

11- भवन का निरीक्षण-

आधीप्राती अधीकारी, भवन अधीकारी, नगरपालिका अधीयन्ता भवन निरीक्षक तथा इस संबंध में प्राधिकृत अन्य नगरपालिका के कर्मचारी अपने को इस बात से सन्तुष्ट करने के लिये कि सालू निर्माण कार्य परमिट की शर्तों के अनुसार हो रहा है तथा उपरोक्त और नक्शों के बिपरीत नहीं हो रहा है। दिन में किसी भी उचित समय पर निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण करने के लिये सक्षम होंगे। तथा इन उपरोक्तियों के अन्तर्गत दिया गया परमिट निरीक्षण के समय हमेशा प्रस्तुत किया जायेगा।

11R- अक्षाता दीवार का निर्माण (बाउण्ड्री वॉल)

अनुशा पत्र जारी करने के पश्चात् भू-स्वामी भवन का निर्माण प्रारम्भ करने से पूर्व अक्षाते की दीवार का निर्माण (कम्पाउण्ड वॉल) अनिवार्य रूप से करवायेगा। तत्पश्चात् ही जारी की गई अनुमति के अनुसार भवन निर्माण करेगा।

नोट:- भाग-2 के नियम संख्या- 9 को बिलोपित किया जाता है।

:: भाग - 3 ::

प्रक्षेप (Projection)

Executive Officer
Municipal Board, Mt. Abu.

12- नगरपालिका भूमि पर या सरकारी भूमि पर प्रक्षेप:

(क) नगरपालिका भूमि सरकारी भूमि पर टोटे, बरौखो, घालकनी, बरामदे तथा अन्य प्रक्षेपों को बनाने नहीं दिया जायेगा या बनाने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(ख) झण्डालिया, बरामदा, ताण, कुरी, प्लेटफार्म, पतुतरा, जीना या पुस्तिया तथा रेड, तमाम निर्माण से से किसी भी रास्ते पर

प्रशासक
नगरपालिका, माउंट एबु

की छोने दिया जायेगा ।

उत्तरामदो को जिन्हे सरकारी भूमि पर या नगरपालिका की भूमि पर निजी भवन बनाने दिया गया है चाहे वह मकान या दुकान के मार्शक के खर्च पर बनाये गये है या नहीं विभाजन नहीं किया जायेगा । और उनके सामने या बाजू में कोई गट ली *shoulders* लगाये जायेगे ।
 छत *Plinth* की सतह से 2.5 मीटर तक की ऊंचाई प्रथम *centile* कार पोर्च बनाने की अनुमति दी जा सकती है । योजना क्षेत्र में नगरपालिका की स्वीकृत क्षेत्र में स्थित भवन उच्च श्रेणी भवन माने जायेगी तब तक लगाये जानेगे तो 1.25 मीटर और बाजू में लगाये जायेगे तो 2 मीटर तक की चौड़ाई तक सीमित रहेगे । जहाँ ऐसी छत जगह *Set back* 3 मीटर से कम न हो ।

:: भाग-4 ::

अस्थाई अभियोग

13- निर्माण सामग्री संचित करने की मनाही:

अध्यायी अधिकारी ऐसे अस्थाई अभियोग के लिए 10 वर्ग मीटर या उसके बिली भाग के लिये स्वये 100/- प्रतिमाह या अधिक जिसका निर्धारण समय-समय पर किया जायेगा, वसूल करनेके लिए सक्षम होगा । भवन उपविधियों के तहत अनुमत शुल्क जमा कराते वक्त पालिका या सरकारी भूमि का अभियोग करने की स्थिति में पार माह का अभियोग पैसा पालिका कोल में जमा कराना होगा ।

:: भाग-5 ::

स्वास्थ्य, सफाई तथा अन्य आवश्यकताये

16- भवन के उपयोग के संबंध में निबन्धन:

कोई भी भवन उस प्रयोजन के अलावा जिसके लिये निर्माण किया जाना सुलतः नोटिस में घोषित किया गया है किसी अन्य प्रयोजनार्थ उपयोग में नहीं लाया जायेगा । पूर्व की 16 उपविधि विलोपित की जाती है ।

Executive Officer
Municipal Corporation

प्रशासक
नगरपालिका

3- विश्वी भी राडक पर भवन रेखा उपबिध नियम संख्या- 24. 77 सं 41 8क8 में दी गई तालिकाओं में बताई गई दूरी से कम नहीं होगी. जोडा गया 8

11

24-

जंवाई का विनियमन:

6- रास्ते के ऊपर झुकते हुए विश्वी भवन का परिनिर्मा करने वाला कोई भी व्यक्ति इस भवन का निर्माण भवन की परिसर जंवाई या उस मार्ग/ क्षेत्र में निर्धारित जंवाई से अधिक नहीं कर सकेगा।

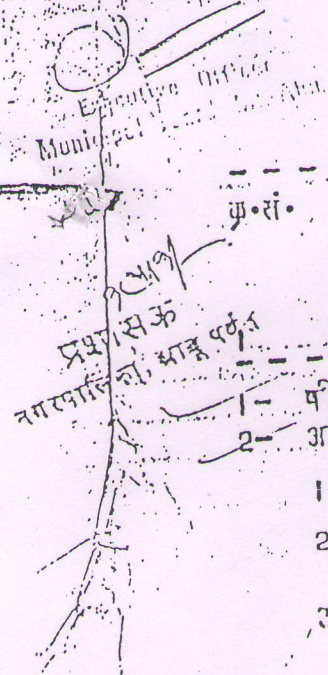
संशोधन

7- कोई भी भवन जिसमें रिहायसी/बाणिज्यिक/होटल/होस्टल/धर्मशाला/सराय आदि सम्मिलित है के निर्माण की अनुमति धरातल मंजिल तथा प्रथम मंजिल या 8 मीटर तक की दी जा सकेगी। बाजार क्षेत्र में अधिकतर मकान दो मंजिले है। अतः ऐसी स्थिति में तल तथा प्रथम के अलावा तृतीय मंजिल सिर्फ बाजार क्षेत्र में दलाऊ छत रखते हुए स्वीकृति दी जायेगी परन्तु भवन की जंवाई 11 मीटर से अधिक नहीं होगी।

Extra
to
899

जो भवन मुख्य सड़को पर स्थित होंगे उनको अनुशा नगरपालिका द्वारा फिये में तालिका के अनुसार जंवाई तथा मंजिले होगी:-

क्र.सं.	राडक का नाम	सडक के मध्य धिन्दु से भवन की दूरी	अधिकतम स्वीकृत जंवाई	भवन की मंजिल
2		3	4	5
1-	पिलग्रीम रोड	100 फीट	8 मीटर	धरातल व प्रथम मंजिल
2-	आबू कार्ट रोड	100 फीट	8 मीटर	" " "
1-	पिलग्रीम रोड जोसिंग	100 फीट	8 मीटर	" " "
2-	पिलग्रीम रोड पोराने से बस स्टैण्ड तक	60 फीट	8 मीटर	" " "
3-	बस स्टैण्ड से राधा म्नाथियम तक	40 फीट	8 मीटर	" " "



	3	1	3
4- पाषाण स्तूपियम से नक्की लेक तक-	30 फीट	8 मीटर	" "
3- गउमुळ रोड-	100 फीट	8 मीटर	" "
8- सेन्ट मेरीज रोड	60 फीट	8 मीटर	" "
5- नक्की लेक से देलवाडारोड			" "
1- नक्की लेक से सर्किट हाउस	60 फीट	0 मीटर	" "
2- सर्किट हाउस से देलवाडा मंदिर	80 फीट	5 मीटर	धरातल मंजिल
6- गुंजरात सर्किट हाउस से पाषाण स्तूपियम तक	60 फीट	8 मीटर	धरातल व प्रथम मंजिल
7- नक्की लेक से सर्वे आफिस ओण्ड्या ओण्ड्या	60 फीट	8 मीटर	" "
8- सर्वे आफिस ओण्ड्या से सिक्वियरटी अकेडमी	60 फीट	0 मीटर	" "
9- नक्की लेक से सनसेट पोइन्ट रोड तक बाया पालनपुर पोइन्ट-			" "
10- नक्की लेक से अषोक वाट कांई	60 फीट	8 मीटर	" "
11- अषोक वाटका से विक्टर मेयर लेक	80 फीट	5 मीटर	धरातल मंजिल
10- होटल सुनईत पीराडे से	80 फीट	5 मीटर	" "
11- नक्की से पाण्डव भवनरोड	60 फीट	8 मीटर	धरातल व प्रथम मंजिल
अन्य साठके:-			" "
40 फीट से अधिक पोडाई वाली-	50 फीट	8 मीटर	" "
30 से 40 फीट पोडाई वाली-	35 फीट	8 मीटर	" "
30 फीट से कम पोडाई वाली-	30 फीट	8 मीटर	" "
13- पुराना बाजार	मोजुद के स्थिति अनुसार	11 मीटर	धरातल, प्रथम व द्वितीय मंजिल

Executive Officer
Municipal Board, Miraj

9/1/21

प्रशासक

नगरपालिका, अहमदनगर

Extra

du. l.

॥क॥ सरकारी कार्यालय या सरकारी उपग्रह संस्थान आदि जगों के निर्माण की स्वीकृति अगर नियोजन विभाग की राय के पश्चात् राज्य सरकार के परामर्श के उपरान्त ही दी जायेगी ।
 भवनों के संपनात्मक डिजाइन रंग आदि में परिवर्तनों के संबंध में प्रतिबंध :-

26-

- ॥क॥ नगर के सभी भवनों की बाहरी दीवारें मत्थर में ही पुनी जाकर उन पर प्लास्टर नहीं करके केवल डीप बोडीपेंट्स रोक पेस्ट मेसरी की जायेगी ॥संशोधन॥
- ॥ख॥ ऐसे बरामदों की दीवार जो बाहर से दिखाई देती हो सीमेन्ट या क्रीम रंग की होगी । ॥संशोधन॥
- ॥ग॥ माउण्ट आबू के भवनों में दलाल वाली छत होगी तथा छतों पर लाल खरेल रंग या मैग्लोटाईल लगाना डेगी । ॥संशोधन॥
- ॥घ॥ छिडकियों व दरवाजों के जो भाग बाहर से दिखाई देते हों, सीमेन्ट या क्रीम रंग के होंगे । ॥संशोधन॥
- ॥ङ॥ ऐसे भवन निर्माण में पुनर्बाई छत जो मत्थर पट्टाने आदि तोड़ें तो इसके लिये पहले से नगरपालिका से एवं राज्य सरकार द्वारा अधिष्ठा अधिकारी द्वारा स्वीकृत पृथक से प्राप्त करनी होगी । पट्टान तोड़ने के लिये निर्धारित क्तारी जगों से ही स्वीकृति दी जा सकेगी तथा पट्टान तोड़ने का कार्य दिन में ११ बजे से १ बजे तक की अवधि में ही किया जा सकेगा ।

निर्माण रोकने की शक्ति :-

अध्याधी अधिकारी अधिका नगरपालिका अधिका किसी भी व्यक्ति को निर्माण तत्काल रोक देने में सक्षम होगा, य उसकी राय में उस निर्माण बिना अनुज्ञा के अधिका अनुज्ञा के उल्लंघन में अधिका इन उपविधियों के विरुद्ध किया जा सके तथा उस प्रकार से निर्दिष्ट निर्माण तत्काल रोक देने को बाध्य होगा ।

29-

योजना भिन्न क्षेत्रों में गूण्डों का क्षेत्रफल :-

सभी योजना भिन्न क्षेत्रों में भवन निर्माण नियम-24 १78 4। ॥क॥ में निर्धारित मापदण्डों के अनुसूच होगा ।

Executive Officer
 Municipal Board, Mt. Abu.

9/1/71
 प्रशासक
 नगरपालिका, माउंट अबू

extra
 charges

वर्तमान स्वी आबादी में छोटे-मोटे मकानों आदि के संबंध में नगरपालिका उचित निर्णय लेकर निर्माण या परि-
-निर्माण या परिवर्तन कराने के संबंध में अनुमति दे
सकती।

पूर्व की उपबंधों के इस उप नियम को विलोपित
किया जाता है।

∴ भाग-6 ∴

योजना क्षेत्र

41- आच्छादित क्षेत्रफल-

शुष्कठों का विभिन्न क्षेत्रों में निवासीय भवनों का
स्यूनतम आच्छादित क्षेत्रफल नीचे निर्धारित किये गये
के अनुसार होगा:-

क्र.सं.	शुष्कठ का आकार	छोटी जगहें वाली जमीन की रेखाएँ सामने	बागल	पिछली	आच्छादित क्षेत्रफल
1-	50 वर्ग मीटर तक	3 मीटर	1.5 मीटर	1.5 मीटर	60 प्रतिशत
2-	50 वर्ग मीटर से अधिक 100 वर्ग मीटर तक	3 मीटर	1.5 मीटर	1.5 मीटर	50 "
3-	100 वर्ग मीटर से अधिक 125 वर्ग मीटर तक	4 मीटर	2 मीटर	2 मीटर	40 "
4-	125 वर्ग मीटर से अधिक 200 वर्ग मीटर तक	4 मीटर	3 मीटर	3 मीटर	35 "
5-	200 वर्ग मीटर से अधिक 400 वर्ग मीटर तक	4.5 मीटर	3 मीटर	3 मीटर	30 "
6-	400 वर्ग मीटर से अधिक 850 वर्ग मीटर तक	6 मीटर	3 मीटर	3 मीटर	25 "
7-	850 वर्ग मीटर से अधिक	7 मीटर	4.5 मीटर	4.5 मीटर	20 "

extra
Chair
du
Engg
Expenditure Officer
Municipal Board

एक तरफ
(1000)
1000
N/A
22/12/55
(in case of 22/12/55)

नोट :- 1- नगरपालिका के पूर्व में स्वीकृत योजनाओं में निर्धारित सेटबैक की स्वीकृत उरसी के अनुरूप दी जायेगी।
2- शुष्कठ की छली भूमि पर पेड़ पाँधे लगाने होंगे।

शुष्कठ पूर्व उपबंधों के इस नियम को विलोपित किया जाता है।
वाणिज्यिक क्षेत्र योजना में प्रस्तावित दुकानों के क्षेत्रफल में बराबर टाइप डिजाइन के अनुसार निर्माण की अनुज्ञा दी-क जायेगी। कोई भी छुदरा दुकान दो मंजिल या 8 मीटर से

extra
du

अधिक ऊंचाई की नहीं होगी। योजना में होटल, सिनेमा, सार्वजनिक भवन पर 25 प्रतिशत से अधिक आच्छादित क्षेत्र पर निर्माण की स्वीकृति देय नहीं होगी। शेष 75 प्रतिशत खूली भूमि पर पेड़ पौधे लगाकर हरियाली रखी जाएगी। जिससे आबूपर्वतीय स्थल का आकर्षण कायम रहे। ऐसे भवनो की ऊंचाई धारासल तथा प्रथम मंजिल 80 मीटर या तालिका उपवीथि नियम 24 878 में दिये गये अंशों से अधिक नहीं होगी। जब कभी उपवीथियो में निर्दिष्ट हुई जगह आच्छादित क्षेत्र के प्रतिशत को नहीं बदलते हो अथवा यह उस उपवीथि के अनुस्य नहीं हो तो उन दोनों में जो अधिक उपनिधात्मक उपवीथि हो वह लागू होगी। संशोधन।

42-

उपरोक्त भवनो आवासीय परिवारो के यार्डो का विनियमन: पूर्ण उपवीथि में से इस नियम को विलोपित किया जाता है रसोईघर, स्नानघर आदिके लिये विविध उपबन्ध:-

46-

88 किसी भी भवन की सीटियों की चौड़ाई 3 फीट से कम नहीं होगी। जोडा गया।

47-

भवन की ऊंचाई:- किसी योजना क्षेत्र में भवन की ऊंचाई उपवीथिक नियम 24 878 में प्रदत्त तालिका के अनुस्य अथवा दो मंजिल 80 मीटर से अधिक नहीं होगी। 89 सभी भवनो की छत दलान वाली छत होगी। यदि कृषक प्राथी का स्वीकृत नक्शा पंचायत मंजिल वाले भवन का हो एवं प्राथी अभी कम मंजिल बनाना चाहता हो उसे समतल छत बनाने की इजाजत दी जा सकेगी।

48-

अडारो की दीवार 1/2 मीटर बाल की ऊंचाई:- अडारो की दीवार की ऊंचाई किसी भी दरवा में सड़क के मध्य से एक मीटर 4 फीट से अधिक नहीं होगी। अगर प्राथी इससे उमर करना चाहे तो यह केवल रॉइंग लगाकर ही कर सकेगा दीवार पत्थर स्टोन की बनाई जायेगी एवं उसमें बहार की ओर प्लास्टर नहीं होगा, सिर्फ सिमेन्ट की पोईन्टिंग होगी तथा सफेदी से गुवाई नहीं की जा सकेगी।

:: भाग- 8

अन्य विशेष भवन आदि-

निर्माण कार्य के लिए निम्न क्षेत्र:-

89 नक्की हिल के इर्द-गिर्द का क्षेत्र: रोट संख्या-सक की सीमाओ का विवरण-

जयपुर हाउस की सम्पूर्ण बाउण्ड्री को सम्मिलित करते हुये भूमि,

Executive Officer
Municipal Board, Mt. Abu

9/11/91
52

जयपुर छाउसा के मुख्य द्वार से बाईं तरफ छोटे छुपे शिव
 छिटर, स्केटींग रिक, पौराणिक भवन, विध्राम भवन, शानन्द
 छाउसा व विध्राम भवन के मध्य जाने वाली नक्की रोड एवं
 उसके अन्दर बाईं-दाईं ओर से सभी भवनो और भूमिको
 सम्मिलित करते छुपे शानन्द छाउसा से राजकीय अस्पताल,
 कालीमायी का धान से छोटे छुपे रोपट जोराफ स्कूल, पुराने
 विपल छाउसा में छोटे सभी मकान ओम शान्ती भवन, प्रेमदारक,
 ब्रह्मभट्ट होस्टल, पपरासी लाईन, गोल्लन छाउसा, शान्ती भवाडू
 का मकान, रोड गाईन, लोक छाउसा से लोक व हनीमूत पोलिन्ट
 को जाने वाले येलीज दाक की समस्त पहाड यो को
 सम्मिलित करते छुपे रसुमाथ मंदिर, टोड रोड, रामगुण्ड,
 गो-पाला एवं उसके इर्द-गिर्द समस्त पहाडी क्षेत्र का विवरण
 नीचे लिखे हैं।

स्ट संख्या-१ की सीमाओ का विवरण-

- हनीमून पोलिन्ट, गणेश मंदिर, गवर्नमेन्ट कोर्ट जेज, पन्नालाल
 शिवरी का मकान, सुभाष छाउसा, शान्तीलाल पट्टया का मकान, ज
 ओम शान्ती भवन, मेधुत बंगला, मुख्यधाम, कृष्ण निवास, (4)
- (10) लिलडी कोठी, गुरुशिवरस्कूल, वकील वारोट का मकान, (11)
- (12) सुध बाबडी, अर्द्धाश्रम मंदिर व उसके इर्द-गिर्द छुटी
 नगरपालिका सीमा में सम्मिलित समस्त पहाड शीमाओ का
 मानचित्र संलग्न है।

स्ट संख्या-२ की सीमाओ का विवरण-

- (1) नेहरू युवा आर्य समाज मंदिर, डा. कासीबा का मकान,
 (2) शर्वतारोहण पहाड की, अनोमदासकी की शोमडी, डोन बंगलो (5)
 स्कीम के सभी मकान, धालपुर छाउसा, स्वामी (7)
 नारायण का मंदिर, पुराना श्यामी छाउसा, कामा छाउसा, (9)
 (10) सी.पी. ठक्करु जी के सभी मकान, रेलवे पोस्ट र, सुध मेडोरा
 का पुराना मकान, इरियाणी होस्टलरी, शाही पीग, रतन (11)
 कोट ज, मोकरग छाउसा, पाण्डव भवन, एवं इसके इर्द-गिर्द
 के सभी मकान, दिल परान्य, दिल पंजीर से आर्य शोमडी मंदिर
 तकके सभी मकान व भूमिको सम्मिलित करते छुपे।
 विवरण संलग्न मानचित्र में दर्शाया गया है।
 देलवाडा मंदिर के इर्द-गिर्द विशेष क्षेत्र:-

- (1) एस.टी.सी. स्कूल के प्रधान करने पर कच्ची सडक के बायीं
 ओर की सभी कृषि एवं सरकारी भूमिको सम्मिलित करते
 छुपे मुख्य सडक के बायीं ओर की कृषि भूमिकी सुउष्णी
 (2) देवस्थान छोड़े का मकान, पटथारी आभिरा, पुलिस पोली,
 (3) दानजी की होटल, लात मंदिर, देवि टक, ओरिया सीमा से
 नगरपालिका सीमा तक छुटी हुई बाईं ओर की समस्त भूमिको
 व पहाड यो से छोटे छुपे ज्ञान युवा तक। सडक के दायरे

Executive Officer
 Municipal Board, Mt. Abu

प्रधानसक
 नगरपालिका, जयपुर

तारक नवदेवमर महामंदिर से पी.डब्ल्यू.डी.डाक बंगला,
घाया गीलवास-कोलोनी तक। निवहरण संलग्न मानचित्र
में जीका है।

श्री 8 पोलो ग्राउण्ड के चारों ओर निषेध क्षेत्र:-

- (1) टेक्सी स्टैण्ड से बायीं ओर नगरपालिका की सुकाने
- (2) महाराणा होटल, भारत होटल, चापा (मुजियम, कन्या)
- (3) माध्यमिक विद्यालय, अर्द्ध पीराहे से होते हूये किशन गार्डन
- (4) पार्किंग, विश्राम भवन पीराया त्रिमूर्ति शान्ती भवन
- (5) ग्रूप होस्टल, रामकृष्ण आश्रम, राजमहल, एस.बी.डी.जे
- (6) होली डे होम, रेलवे फ्री प्रचम हॉल के समीप इर्द गिर्द भकानों को सम्मिलित करते है टेक्सी स्टैण्ड तक। निवहरण संलग्न मानचित्र में है।

अनुसूची- 3 उपाधि संख्या- 8 के अनुसारण में स्वीकृत प्रपत्र के बिन्दु संख्या-5 परमान में प्रचलित उपाधि नियम, 1978 में द्वाये अनुसार ही होगा।

स्कीम-1 उपाधि संख्या-4 के अनुसारण में भवन छण्ड करनेके अलावा कोई अन्य निर्माण कार्य निष्पादित करनेकी इच्छा प्रकट करने हेतु नोटिस प्रपत्र में निम्न प्रकार से संबोधन दिया जाता है-

वेधित:-
भवन अधिकारी,
नगरपालिका मण्डल,
आसूषवत।

अनुसूची-6

देखे उपाधि संख्या-308

- 1- नगरपालिका की भूमि से शूलक 20/-
संलग्न भूमि ताल पर खोला जाने वाला द्वाररा, मार्ग यदि क्षेत्र में 3.67 मीटर से अधिक है।
- 2- तहारत 20/-
- 3- विकास तहारत 40/-
- 4- टोडी के बिना या टोडी रहित सादा अरोया या बालकोनी 10/-

जब कभी सार्वजनिक प्रयोजन के लिये नगरपालिका ऐसी अपेक्षा करे तो भकान मानिक को द्वारक, मार्ग बंद करना होगा।

तहारत नगरपालिका की गटर लाईन से संबंधित नहीं होने पर शूलक नहीं लिया जायेगा। यदि नगरपालिका उपाधिधार् के अनुसार अनुमति दी जा सकतीहो

Executive Officer
Municipal Board, Mt. Abu

प्रशासक
नगरपालिका, मा. 9/8/78

4- भारत, छुरा या सीढ़ियां, पुखरी का पाड़े खाग हो या मक्के

चौकड़ी परता की दर पर

5- मकद तिलमा राधा

सबुतार के छासिल के अलावा यो के मसामा मसामा मसामा जाये तो हुगुनी दर पर।

6- 25 से मी. से अधिक 5/- प्रति वर्ग मीटर तथा 50 से मी. से कम की प्रीक्षणा छप्पा या धितान्ता

8- 50 से मी. से उमर राधा 75 से मी. तक छप्पा 10/- प्रति वर्ग मीटर

9- 75 से मी. से उमर राधा 100 से मी. तक छप्पा 15/- प्रति वर्ग मीटर

7- पाशा 15/- प्रति वर्ग मीटर

1	2	3	4
मद, संख्या	क्षेत्रफल	एक मंजिले भवन पर शुल्क	दो या दो से अधिक मंजिले भवन पर शुल्क

1- 100 वर्ग मीटर के भूमि के लिये 20/- 30/-

2- 100 वर्ग मी. से अधिक परन्तु 250 वर्ग मी. तक की भूमि क्षेत्रफल के लिये 30/- 40/-

3- 250 वर्ग मी. से अधिक परन्तु 500 वर्ग मी. तक के भूमि क्षेत्रफल के लिये 40/- 60/-

4- 500 वर्ग मी. से अधिक परन्तु 1000 वर्ग मी. तक के भूमि क्षेत्रफल के लिये 60/- 100/-

5- 1000 वर्ग मी. से अधिक के भूमि क्षेत्रफल के लिये 120/- 200/-

Executive Officer
Municipal Board, M.C.

प्रशासक
नगरपालिका, प्रास पब्लिक